अमर उजाला

लखनऊ | बृहस्पतिवार | 7 जुलाई 2016

रिजल्ट खराब करने वाले इंजीनियरिंग कॉलेज पर 10 लाख रुपये जुर्माना

इंटरनल एग्जाम में खेल पर एकेटीयू सख्त, दोनों छात्रों को एक-एक लाख रुपये देना होगा मुआवजा, एग्जामिनर तीन साल के लिए परीक्षा से डिबार

लखनऊ (ब्यूरो)। छात्रवृत्ति हड़पने के खिलाफ आवाज उठाने पर दो छात्रों को इंटरनल एग्जाम में कम अंक देकर फेल करने पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने कानपुर के सेठ श्रीनिवास अग्रवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पर 10 लाख रुपये जुर्माना ठोंका है। तीन साल से रिजल्ट के लिए परेशान हो रहे दोनों छात्रों को कॉलेज को एक-एक लाख रुपये मुआवजा भी देना होगा। यही नहीं छात्रों के प्रोजेक्ट में इंटरनल व एक्सटर्नल एग्जामिनर रहे विपिन कुमार द्विवेदी और लालमन पटेल को तीन साल के लिए परीक्षा कार्य से डिबार कर दिया गया है।

लिखित में 70 फीसदी से ज्यादा अंक, इंटरनल में किया खेल

सामने आया फर्जीवाड़ा

पड़ताल में सामने आया कि दोनों छात्रों को इंटरनल में महज 5-5 अंक दिए गए थे। जबकि विश्वविद्यालय के नियमों के मुताबिक सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है। इतनी उपस्थिति के ही इंटरनल में 7.5 अंक होते हैं। इन छात्रों के पिछले सात सेमेस्टर के अंक देखे गए तो थ्योरी और प्रैक्टिकल सभी में अच्छे अंक मिले थे। आठवें सेमेस्टर की लिखित परीक्षा में भी इनके 70 फीसदी से ज्यादा अंक थे। जिस प्रोजेक्ट में इन दोनों को कम अंक दिए गए थे वह संयुक्त प्रोजेक्ट था। लेकिन इन दोनों को छोड़कर बाकी सभी को अच्छे अंक दिए गए थे।

इंजीनियरिंग कॉलेज ने बीटेक मैकेनिकल के अंतिम सेमेस्टर के छात्र विनीत प्रजापति और अश्विनी कुमार यादव को साजिशन इंटरनल एग्जाम में कम अंक दिए थे।

शेष पेज 10

रिजल्ट खराब करने...

छात्र विनीत ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को मामले का निस्तारण करने केनिर्देश दिए थे। जांच में संस्थान का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद कुलपति प्रो. पाठक ने दोनों छात्रों को एवरेज अंक देकर नया रिजल्ट तैयार करवाया है। कॉलेज ने छात्रवृत्ति हड़प ली, आवाज उठाने पर खिसियाया प्रबंधन : कुलपति प्रो. पाठक ने जब विनीत से उसका पक्ष जाना तो सामने आया कि दोनों छात्रों की समाज कल्याण विभाग से आने वाली छात्रवृत्ति को कॉलेज ने संबंधित बैंक प्रबंधक के साथ मिलकर हड़प ली थी। छात्रों ने आवाज उठाई तो कॉलेज प्रबंधन उनसे चिढ़ गया। संस्थान के रजिस्ट्रार विनीत शुक्ला ने छात्रों को धमकाया था कि प्रैक्टिकल के अंक कॉलेज के हाथ में होते हैं।